अखिल भारतीय विश्वकर्मा विराट संघ की कार्यकारिणी की बैठक होटल सूर्या इंदौर में राष्ट्रीय कार्यकारिणी और प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत।

अखिल भारतीय विश्वकर्मा विराट संघ की कार्यकारिणी की बैठक होटल सूर्या इंदौर में 21 अक्टूबर 2018 को अखिल भारतीय विश्वकर्मा विराट संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष कान्ति भाई पांचाल बड़ोदा की अध्यक्षता और राष्ट्रीय बरिष्ठ महामंत्री यशपाल पांचाल और लेखराज पांचाल दिल्ली के विशेष आतिथ्य एवं पूर्व प्रदेश रामअवध विश्वकर्मा के संयोजन में सम्पन्न हुआ। मंच का संचालन पूर्व प्रदेश बरिष्ठ महामंत्री नेता रमेश विश्वकर्मा 'पत्रकार' इंदौर ने किया। बैठक में मध्यप्रदेश के बिभिन्न संभाग व जिला के सदस्यों ने भाग लिया।

जैसे ही होटल सूर्या खास मेहमान पहुचें वैसे ही युवा नेता अरविन्द विश्वकर्मा और सत्य शिवा पांचाल ने पुष्पहार पहनाकर आत्मीय स्वागत किया। ढोलधमाके के साथ उपस्थित स्वागत कर्ता थिरकते नजर आये। देखते ही देखते - सामाजिक बंधुओं की भीड़ लग गई। मेहमानों का जोरदार और शानदार स्वागत किया गया। मेहमानों को बहुत सम्मान के साथ मंच पर आसीन किया गया।

सर्व प्रथम मंचासीन अतिथियों ने भगवान श्री विश्वकर्मा के चित्रपट पर माल्यार्पण कर पूर्ण मंत्रोच्चारण के साथ एवं विधिविधान से कार्यक्रम का औपचारिक रूप से शुभारंभ किया। तत्पश्चात मंचासीन खास अतिथियों- को रामअवध विश्वकर्मा द्वारा शाल श्रीफल से स्वागत किया गया। इस अवसर पर अनेक उपस्थित सदस्यों ने प्रभावी ढ़ंग से अपनेअपने विचार व्यक्त किए।-

आयेजक एवं पूर्व अध्यक्ष रामअवध विश्वकर्मा भोपाल ने स्वागत करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों के बिभिन्न क्षेत्रों के बिभिन्न क्षेत्रों में ख्यातिप्राप्त विश्वकर्मा बंशजो की हस्तियां के पदार्पण से हम भावविभोर हैं। विराट संघ के समागम में पधारे अतिथियों सहित सभी महानुभावों का हम हार्दिक स्वागत, बंदन, अभिनंदन करते है। आशा करते है कि बरिष्ठ पदाधिकारियों के निर्देशानुसार संघ को मजबूत बनाने का कार्य हमसब मिलकर करेंगे। हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष कांतिभाई पांचाल और राष्ट्रीय बरिष्ठ महामंत्री यशपाल पांचाल और लेखराज पांचाल के इंदौर पदार्पण के फलस्वरुप विश्वकर्मा समाज का मनोबल एंव उत्साह में वृद्धि हुई और समाज को नई ऊर्जा मिली।

वीके विश्वकर्मा 'पांचालरत्न' भोपाल ने अपने सम्बोधन में विचार व्यक्त करते हुए अपने चिर परचित अंदाज में कहा कि हमारी परंपरा और संस्कृति रही है कि....'अतिथि देव भव'। गुजरात और दिल्ली से चलकर हमारे मेहमान नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष मायशपाल पांचाल मध्यप्रदेश की .कांतिभाई पांचाल और राष्ट्रीय बरिष्ठ महामंत्री मा . पवित्र धरती और अहिल्या देवी की पावन नागरी इंदौर शहर में प्रथम बार पधारें हैं।

मातारानी की प्रसाद रूपी चुनरी हम भोपाल से विशेष रूप से लाये हैं और मेहमानों को चुनरी ओढ़ा कर सादर सम्मानित किया। आगे जानकारी देते हुए बताया किहमारे बीच में आज ऐसे विराट व्यक्तित्व मौजूद हैं जिन्होंने .. अपनीअभिनव सोच, अपने कुशल नेतृत्व एवं रचनात्मक पहल से अपने शहर ही नहीं, अपने प्रदेश ही नहीं बल्कि देश में नाम रोशन किया है। जिसके फलस्वरूप ही भारत के राष्ट्रपति द्वारा पुस्कृत हो चुके हैं और राष्ट्रीय अवार्ड से भी सम्मानित हो चुके हैं। हम गौरवान्वित महसूस कर रहें हैं कि वैसे वहुयामी व्यक्तिव के धनी,माकांतिभाई पांचाल . बड़ोदा जो हमारे अखिल भारतीय विश्वकर्मा विराट संघ के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। हमारे कार्यक्रम के विशेष अतिथि ऐसे विराट व्यक्तित्व के धनी, ऐसी शानदार शख्शियत जिन्होंने हमारे समाज को, हमारे शहर को, हमारे प्रदेश को और हमारे देश को एक सकारात्मक दिशा दी है। जिनका नाम बहुत ही अदब से लेता हूँ वे हमारे बड़े भाई साहब हैयशपाल पांचाल दिल्ली जो हमारे अखिल भारतीय विश्वकर्मा विराट संघ के राष्ट्रीय बरिष्ठ महामंत्री हैं। एक .मा - ऐसे महान विभूति हमारे विशिष्ट अतिथि हमारे बैठक की शोभा बढ़ा रहे थे जो सीधासदा-, हसमुख, मिलनसार और काम करने में विश्वाश रखने वाले जो हमारे अखिल भारतीय विश्वकर्मा विराट संघ के पूर्व पदादिकारी हैं। इन पंक्तियों के माध्यम से अतिथियों का स्वागत किया....यह बड़ी सोच, यह दूर दृष्टि, यह ऊर्जा, हमें भी मिल जाये तो हम सब के जीवन में भी आशा की कौंपल खिल जाये। श्रीमान् पधारे आप यहाँ, हम सब मिल स्वागत करते हैं। विशिष्ट जनों के गरिमामयी सानिध्य से यह सभागृह ऊर्जामयी हो गया है, आनंदमयी हो गया है। इस खास मौके पर विश्वकर्मा विराट संघ की करिश्माई एवं अलबेली महक से सराबोर इस अवसर पर आपका बहुतबहुत स्वागत है। - हमारे हृदय में कोई शंक न हो, कोई पंक न हो, कोई द्वंद न हो, कोई दंभ न हो, हे प्रभु, केवल और केवल आपकी वंदना रूपी पवित्र भावना हमारे उर में हो, हमारे अधरों पर हो। आप सभी के कुशल नेतृत्व और मार्गदर्शन व सानिध्य में संगठन में कार्य करने का शुभ अवसर प्राप्त हुआ है। आप सभी का सदैव आशीर्वाद मिलाता रहा है और आशा ही

नहीं बल्कि पूर्ण विश्वास है कि भविष्य में भी आप सभी का स्नेह, प्यार और आशीर्वाद मिलता रहेगा। इतना भव्य कार्यक्रम एवं इसकी विराट सफलता का श्रेय संयोजक रामअवध विश्वकर्मा सहित आप सभी को जाता है।

राष्ट्रीय वरिष्ठ महामंत्री यशपाल पांंचाल ने अपने उत्प्रेरक सम्बोधन में कहा कि युगपुरुष रामेश्वर सोनी पांचाल की कड़ी मेहनत और परिश्रम की देन है अखिल भारतीय विश्वकर्मा विराट संघ। अब हम सब की जबाबदारी बनती है कि संगठन को मजबूत बनाकर समाज के उत्थान और विकाश हेतु कार्य करें, ताकि समाज लाभवान्वित हो सकें। इसके लिये संघ का पुनर्गठन करना आवश्यक है। क्योंकि सभी समितियों को भंग कर दी गई है।प्रदेश अध्यक्ष की जबाबदारी बनती है की प्रदेश, संभाग, जिला स्तर पर समिति बनाकर पुरे प्रदेश में संगठन को मजबूत करने का कार्य करें। इसके आलावा कोई भी महिला मंडल या युवा मंडल का गठन नहीं किया जायेगा और तहसील स्तर पर कोई भी समिति का गठन नहीं किया जायेगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष की अनुमति एवं अनुमोदन से कार्यकारणी का गठन की घोषणा करते हैं। सबसे पहले वीके विश्वकर्मा 'पांचालरत्न' भोपाल को कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष की घोषणा की गई तत्यपश्चात उपस्थित सदस्यों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ समर्थन किया। पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा पुष्पहार पहनाकर स्वागत किया गया। उसके बाद उपस्थित सदस्यों द्वारा पुष्पहार पहनाकर भव्य स्वागत किया गया। उसके उपरांत रामअवध विश्वकर्मा भोपाल को प्रदेश अध्यक्ष की घोषणा की गई। उनको भी उपस्थित सदस्यों ने पुष्पहार पहनाकर जोरदार स्वागत किया। फिर राष्ट्रीय कार्यकारणी में उपाध्यक्ष बंशीधर जांगिड़ उज्जैन, रामचन्द्र सोनी पांचाल महु, राष्ट्रीय महामंत्री जीपी विश्वकर्मा सागर, राष्ट्रीय मंत्री वास्तु सलाहकार शरद शर्मा इंदौर, नारायण ओझा

अशोकनगर, रमेश चन्द्र पांचाल उज्जैन, दिवाकर विश्वकर्मा बीना, कार्यकारणी सदस्य मुरारीलाल पांचाल महु, नंदिता विश्वकर्मा इंदौर आदि को मनोनीत किया गया और सभी को पुष्पहार पहनाकर स्वागत किया गया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष कान्ति भाई पांचाल ने अपने गरिमापूर्ण उद्बोधन में सफल कार्यकारणी की बैठक हेतु सभी को बधाई देते हुए शुभकामनाएं दी और मान और सम्मान के लिये आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। साथ ही नवनियुक्त पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि अब आप सभी अपनेअपने कार्यो में अपनी पूरी शक्ति - से संगठन को मजबूत और समृद्ध बनाने में जुट जाये। संगठन के माध्यम से समाज को अधिक से अधिक लाभ पहुचाने का प्रयास करें ताकि समाज संगठन से जुड़ सकें। संघ के माध्यम से एक मिशाल कायम कर पुरे देश में विश्वकर्मा समाज का नाम रोशन करें। ताकि समाज को उन्नति की दिशा में अग्रसर होने का सुनहरा अवसर प्राप्त हो सके। आजकल विभिन्न व्यवसायों और तकनीकी उद्योगों के लिए सरकार द्वारा दी जा रही सुविधाओं का लाभ अधिक से अधिक उठायें ताकि समाज तीव्र गति से विकास कर सकें। गेंदमल पांचाल ने आभार व्यक्त किया।

बैठक में भोपाल से नवलसिंह विश्वकर्मा, रामकृष्ण विश्वकर्मा, हरिचरण विश्वकर्मा, जगदीश विश्वकर्मा, रवि विश्वकर्मा, गोपाल विश्वकर्मा, पूरन विश्वकर्मा, ओमप्रकाश विश्वकर्मा, सुरेश विश्वकर्मा, केशर सिंह विश्वकर्मा, पप्पू विश्वकर्मा, बाबुलाल विश्वकर्मा, उज्जैन से बंशीधर जांगिड़, रमेश चन्द्र पांचाल, देवनारायण पांचाल, गोवर्धन पांचाल, अशोक नगर नारायण ओझा, डॉरामकुमार ओझा ., सागर से जीपी विश्वकर्मा, काशीप्रसाद विश्वकर्मा, गोपाल शर्मा, सुखदेव विश्वकर्मा, बीना से दिवाकर विश्वकर्मा, दमोह से राजेश विश्वकर्मा, छतरपुर से पप्पू विश्वकर्मा, दमोह से मनीष विश्वकर्मा, महू से

रामचन्द्र सोनी पांचाल, पंडित भूपेंद्र धरवा, मुरारीलाल पांचाल, राऊ से हिरेन्द्र पांचाल, भारत पांचाल, मनीष पांचाल, इंदौर से पत्रकार संघ के अध्यक्ष और जानेमाने पत्रका-र एवं सुप्रसिद्ध बरिष्ठ समाजसेवी व बैठक के प्रबंधक कर्नल दरबार, वास्तु सलाहकार शरद शर्मा, गेंदमल पांचाल, मांगीलाल पांचाल, बिरजु शर्मा, रामजतन विश्वकर्मा, जानकी विश्वकर्मा, गया प्रसाद विश्वकर्मा, इंजीलोकेश शर्मा ., अरविन्द विश्वकर्मा, सत्य शिवा पांचाल, रामअवतार विश्वकर्मा, राजकुमार शर्मा, रामदीन विश्वकर्मा, विनोद शर्मा, भानु प्रताप चौहान, पं बी आर विश्वकर्मा, रेणुका पांचाल, सुनीता पांचाल आदि सहित काफी संख्या में सामाजिक बंधू उपस्थित थे। उपस्थित सदस्यों ने स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया।